

्रअसाधारण के EXTRAORDINARY

भाग I—गण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

संं∘ 128∫ No. 128] नई बिल्ली, बुधवार, जुलाई 14, 1982/भाषाढ़ 23, 1904 NEW DELHI, WEDNESDAY, JULY 14, 1982/ASADHA 23, 1904

इसं भाग में भिन्म पृष्ठ संस्था वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(आयिक कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 14 जुलाई 1982

सैं० एफ० 4(5)-डब्स्यू एण्ड एम/82/550 करोड स्पये की कुल राणि के लिये 6.25 प्रतिगत ऋण, 1986, 7.25 प्रतिगत ऋण 1992 (बूसरा निर्मम) ग्रीर 9.00 प्रतिगत ऋण 2013 (दूसरा निर्मम) के लिये 26 जुलाई, 1982 को बैंकिंग समय की समाप्ति तक ग्रीमदान तकदी या भारत सरकार के 5 प्रतिगत ऋण, 1982 ग्रीर 5ई प्रतिगत ऋण, 1982 ग्रीर 5ई प्रतिगत ऋण, 1982 ग्रीर 5ई प्रतिगत ऋण, 1982 ग्रीर होई प्रतिगति ऋण, 1982 ग्रीर होई प्रतिगति के स्प में स्वीकार किये जायेंगे। परत्रास्य लिखन ग्रीमियम 1881 के ग्रीमि किसी राज्य सरकार द्वारा 26 जुलाई, 1982 को छुटी शोषित किये जाने पर ग्रामें कार्य दिन बैंकिंग समय की समाप्ति तक संबंधित प्रदाता कार्यालयों में ग्रीमियान स्वीकार किये जायेंगे। सरकार को 550 करोड रुपये से ग्रीमित प्राप्त 10 प्रतिगत कके ग्रीमियानों को एक लेने का ग्रीमियार होगा।

2. यदि अपूर्वन ऋणां नी कुल प्रभिदान गणि 605 करोड़ रपयों से प्रधिक होगी तो नकदी में प्रभिदान करने वालों को प्रानुपानिक प्राक्षार पर प्रांशिक प्राबंटन किया जायेगा। यदि प्रांशिक प्राबंटन किया जायेगा तो प्रांणिक प्रावंटन के बाद, यथाणीघ प्रधिक प्रभिदान की राशि लौटा दी जायगी। इस प्रकार लौटाई गई गणि पर कोई ब्यान प्रदा नही किया आयेगा।

- 3 रपये 100.00 प्रतिभान की दर पर जारी किया जाने बाला ग्रीर 26 जुलाई, 1986 को सममृल्य पर प्रतिदेश 6.25 प्रतिभान ऋण 1986
 - (i) वापसी भ्रवायगी की नारीख ऋण 26 जुलाई, 1986 को सममृत्य पर वापस भ्रदा किया जायेगा ।
 - (ii) निर्गम मृत्य आवेषित ऋण के प्रत्येक रु० 100 00 (सिके-निक) का निर्गम मृत्य ४० 100.00 होगा ।
 - (iii) क्याज इस ऋण की व्याज दर 26 जुलाई, 1982 से आधिक 6.25 प्रतिणत होगी। क्याज छमाही प्राधार पर 26 जनवरी और 26 जुलाई को भ्रवा किया जायेगा। इस प्रकार भ्रवा किये गये क्याज पर तीचे दिये गये भ्रनुक्टेंद 9 भ्रीर 10 के उपबन्धों के भ्रधीन श्राय-कर स्रश्चितियम, 1961 के भ्रन्तर्गत कर लगेगा।

रपं
 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने काला और
 44 मई, 1992 की सममृत्य पर प्रतिदेय 7 25 प्रतिशत ऋण, 1992 (दूसरा निर्गम)

- (i) वापसी अदायगी की तारीख ऋष 24 मई, 1992 को सम्पृत्य पर बापस अदा किया जारीगा ।
- (ii) निर्मम मृष्य-भ्रावेदित ऋष के प्रत्येक रुपये 100 00 (माके-किक) का निर्मम मृष्य राये 100 00 होगा ।
 - (iii) ब्याज इस ऋण की ब्याज दर 26 जुलाई, 1982 से वाधिक 7.25 प्रतिकात होगी । 26 अलाई, 1982 से 23 नवस्थर,

1982 (दोनों विनों समेत) तक की भ्रविध का स्थाह 24 24 ने मन्द्र, 1982 को श्रवा किया जारेगा श्रीर इसके पश्च स्थाज छात्। श्राक्षार पर 24 मई और 24 नवस्वर को श्रदा किया जायेगा । इस श्रकार श्रदा किये गये स्थाज पर सीने 'विये हुए श्रमुच्छेद 9 श्रीर 10 के उपपंधो के श्रधीन श्रायकर कृषिनियम, 1961 के श्रनगंत कर संगेगा ।

5. इ० 100>0 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला श्रीर 24 मई, 2013 की समम्लय पर प्रतिदेय 9 00 प्रतिशत ऋण, 2013 (इसरा निर्गम)

- (i) वापसी ग्रदायगी को सारीख -ऋण 24 मई, 2013 को सम-मरुय पर वापस ग्रदा किया जायेगा ।
- (ii) निर्गम मूल्य प्रावेदित ऋण के प्रत्येक कर 100.00 (मिकि-तिक) का निर्गम मुख्य कर 100.00 होगा।
- (iii) ब्याज इस ऋण की ब्याज दर 26 जुलाई, 1982 से वार्षिक 9 00 प्रतिशत होगी। 26 जुलाई, 1982 से 23 नवम्बर, 1982 (टोमों दिनों ममेन) तक की श्रविध का ब्याज 24 नवम्बर, 1982 को ब्रदा किया जायेगा और इसके पश्चाह क्याज की छमाही श्राधार पर 24 मई और 34 नवम्बर को श्रादा किया जायेगा। इस प्रकार श्रव किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुये श्रनुष्ठेद 9 श्रीर 10 के जपसंधों के श्रिशीन श्रायकर श्रविनियम, 1981 के श्रक्तगंत कर लगेगा।

चपारतर की शर्ते

6. 5 प्रतिगत ऋण, 1982 ग्रीर 5 र्ट प्रतिगत ऋण, 1982 की प्रति-भृतियों नये ऋणों में सममूख्यों पर रूपान्तरण के लिये स्वीकार की जायेगी रूपान्तरण के लिये पेशा की गई 5 प्रतिगत ऋण, 1982 की प्रति-भृतियों पर 14 जुलाई 1982 तक (इस दिन समेत) की प्रविध्य का स्थाज दिया आयेगा। इसके भ्रतिनिक्त 15 से 25 जुलाई 1982 तक के 11 दिनों का प्रत्याणित ब्याज, यथास्थित, शंगे गये नये ऋण की क्याज दर के भ्रतुसार ग्रार्थात् 6.25 प्रतिगत 7 25 प्रतिगत या 9 00 प्रतिगत धाँगक की दर से नई प्रतिभृतिया जागे करने समय दिया जायेगा।

पुरक व्यवस्थाएं

- 7. मायेदन पत्र निम्नलिखन कार्यालयां में स्थीकार किये जायेगे .--
- (क) ग्रहमदाबाद, बंगलूर, बंबई, (फोर्ट ग्रीर भायश्वला) कलकत्ता. गोहाटी, द्रैदराबाद, जयपुर, कानपुर, सद्रास, नागपुर, नई दिल्ली ग्रीर पटना में स्थित भारतीय रिजर्ब नैक के कार्यालय, ग्रीर
- (ख्र) उपर्युक्त (क) में दिये गये स्थानों को छोड़कर भारत में ग्रन्थ सभी स्थानों पर भारतीय स्टेट बैंक की शाखायें।
- 8. स्थाज मदा करने का स्थान इन ऋणो पर ब्याज भारतीय रिजर्व सैक के घहमदाबाद, बगलूर, बस्बई, कलकरना, गोहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्राम, नागपुर, नई दिल्ली और पटना में स्थित लोक ऋण कार्यालयों तथा भारत में जम्मू और कावगीर तथा मिक्किम राज्यों को छोड़कर अन्यत किसी राजकीय में या उपराजकीय में अवा किया जागेगा।
- 9. ज्याज ग्रदा करने समय (वार्षिक विस्त ग्रिक्षिनियमों द्वारा निर्धारिक दरों पर) काटे गये कर की वापसी ग्रदायगी उन ऋण धारकों को प्राप्त होगा जो कर वायी नहीं है या जिन पर ऐसे दरों पर कर लागू होगा है जो काटे गये कर की दर से कम हों।

जो धारक करदायी मही है या निर्धारित दर से कम दर पर करवायी है वह जिले के भायकर प्रधिकारी को धानेदन कर उनसे एक ऐसा प्रमाण-पत्र प्राप्त कर सकता है जिनमें यह प्राधिकृत किया गया हो कि कर की कटौनी किये बिना धारक पर लागू होने वाली स्थूनभर दर पर की कटौनी कर उसे ब्याज श्रदा किया जायेगा ।

भारत का कोई व्यस्टि निवासी, जिसकी कुछ भाय छूट सीमाफ्रों से अधिक न हो, ब्याज देने के लिये जिस्मेदार व्यक्ति को निर्धारित फार्म में, दो प्रतियों में श्रीषणा देकर व्याज की राणि कर को कटौली के बिना प्राप्त कर सकता है।

- 10 भ्रम जारी किये जाने वाले ऋणों पर ब्याज भीर इसके पहले की भ्रत्य सरकारी प्रतिभृतियों पर मिलने वाले ब्याज तथा भ्रत्य श्रनुमोदित निवेशों से सिलने वाली भ्राय को वाधिक 6,000 एवयों को सीमा तक भीर भ्राय कर भ्राधिनियम, 1961 की धारा 80 ठ के भ्रत्य उपबंधों के भ्राधीन भ्राय-कर से छूट प्राप्त होंगी।
- 11. श्रव जारी किये जाते वाले ऋणों में किये जाते वाले तिवेणों के मृत्य श्रीर इस पहले मरकारी प्रतिभृतियों में किये गये श्रन्य निवेणों श्रीर सपित कर ग्राधिनियम को धारा 5 में निर्दिष्ट ग्रन्य निवेणों के मृत्य को भी, 1,65,000 रुपयों की सीमा तक संपत्नि कर में छूट प्राप्त होगी।
 - 12. प्रतिभूतियां निम्नलिखित के रूप में जारी की जायेंगी :— स्टाक प्रमाण-पन्न,या प्रधन पन्न।

यदि ग्रावेत्रक इनमें से किमी का उल्लेख न करे तो उन्हें बचन पन्नी के रूप में प्रतिभृतियो जारी की जायेंगी।

- 1.3. ऋणों के लिये प्रावेदन-पत्न ऋणों के लिये ध्रावेदन-पत्न रपये 100.00 या उनके गुणओं के लिये होने चाहिये।
- 14. श्रावेदन-पत इसके साथ सल्पन कार्म में या किसी ऐसे दूमरे फार्म में होने चाहिये जिसमें प्रपेक्षित प्रतिभृतियों की राशि भ्रीर विवरण आवेदक का पूरा नाम भ्रीर पता तथा उस कार्यालय का स्पष्ट उल्लेख हो जहां श्रावेदक स्थात्र की श्रदायगी की ग्रावेक्षा करता ही ।
- 15 श्रानेदन-पत्नों के साथ श्रावश्यक राणि नकदी या चैक या 5 प्रित्मत श्रष्टण 1982 या 5 प्रे प्रित्मत श्रष्टण, 1982 की प्रतिभूतियों के रूप में जिन्हें रूपान्तरण के लिपे पेण किया जा रहा है के रूप में प्रेषित की आगी चाहिये। धारतीय रिजर्व भैंक या भारतीय स्टेट बैक के कार्यालय में प्रस्तृत किये जाने वाले चैक संबंधित देक के नाम श्राहरित किये जाने चाहियें। स्पान्तरण के तिथे पेण की गई प्रतिशृतियां धारक द्वारा मरकार को अन्तरित की जानी चाहिय :--

स्टाक प्रमाण-पत्नों के मामले में प्रमाण-पत्नों के पृष्ट भाग में भ्रम्लरण करार के फाम में एक साक्षी के समक्ष हस्ताक्षर करके बचन पत्न के मामले में नीचे उल्लिखित तरीके में पृष्टांकन द्वारा "भारम के राष्ट्रपति को अन्ना किया जाये"।

16 रवीक्टन बैकों भौर दलालों को उनके द्वारा प्रस्तृत भीर उनके मोहरयुक्त ऋष्ण प्रावेबन पत्रा पर पिखे गये श्राबंटना पर प्रति २० 100,00 (मोकेनिक) ७ पैसे की दर पर दलाली भ्रदा की आधेगी।

वलाकी की भ्रदायगी के लिथे ऋण जारी किये जाने की तारीख से छ. महीने के भीकर संबंधित कार्यकारों में बाबा पेश किया जाना चाहिये।

> राष्ट्रपति के व्यक्तिंका से, शिक्षिलेण चन्द्र तिवारी, संयक्त सचिव

	आरोबन पत्र कः फरमें	
मैं/हम*	म के साथ रूप <i>धे</i>	
, . (पूरा/पूरे नाम)		
श्रन्रोध करता ह/करते* कि मुप्ते/हर्मे* नीचे उत्तिकात/म्न्यवर्ध/नृत्य करियों के साकेतिक मृत्य के 6,25 प्रतिजत ऋण. 1986*/7.75 प्री		
राध्या के साकातक कृत्य के 6,25 प्रातणत ऋण. 1986/77.75 भ प्रतिभृतियां जारी की जायें	त्रात अध्यः 1942 (दूसरा विगमः/७.००आतम	गर्ने अर्थाः, ⊉णाः (दूलस्य विशेषः) प्रा - -
प्रति यचन पद्म	*	ंबचनं प्र ^{क्ष}
प्रति यसन पक्ष	本「 (新) *	
पति यजन पत्र		यभन पत्न
 मैं/हम* चाहता हं/चाहते हैं,* कि उनका ब्याज———— 	में घदा किया जाए वि	शिष टिप्पणी ६स खाने में श्रावेदक कुछ
न लिखें प्रविष्टियां धादाना कार्यालय द्वारा की जायेगी।		
	,	<u>छोटे ह</u> स्ता० दिनांक
श्रावैदन पन्न सं०	والمستعملة فيلودون المستعملين فالمستعملين المستعمل المستع	हस्ताक्ष र
"दलाली नहीं" मृहर		पूरा/पूरे नाम
नकदी प्राप्त होने की नारीख		— ————————————————————————————————————
श्रेक वसूल होने की नारीख		पत्ता
विशेष चालू खाने में जमा करने की तारीय		
जांच की गई		
नकदी ग्रावेदपत्नों के रजिस्टर में दर्ज किया गया		दिलाक जुलाई,
दलाली रजिस्टर में दर्ज किया गया		
मांग पत्र स०		
प्रतिभृति सं०		
कार्ड सं०	ر نے اس بی وروزی السان اس اس اور المائلہ کے اسان الباس کی میں المائلہ کے اسان کی المائلہ کی اسان کی دور اور ا	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·

अंजो श्रावण्यक न हो उसे काट दिया जाये।

बाउचर पारित करने की तारीख

†रुपये 100, रुपये 200, रुपये 500, रुपये 1000, रुपये 5,000, रुपये 10,000, रुपये 25,000, रुपये 50,000 भीर रुपये 1,00,000 के मृत्य वर्गी में वचन पक्ष जारी विसे जायेगे। जो मृत्य वर्ग श्रोधित हो उसका उल्लेख किया जाये।

- टिप्पणीयां (1) रूपांतरण के लिये प्रस्तुत की गई प्रतिभूतियों को, ग्रगर थे बचन पत्नों के रूप में हो, प्रार्थी/प्राथियों के हस्ताक्षर के उपर, ''भारत के राष्ट्रपति को श्रदा किया जायं' णज्दों के साथ पृष्टांकित की जारी चाहियें ग्रीर ग्रगर ये रटाक प्रमाण पत्नों के रूप में हैं तो प्रार्थी/प्राथियों हारा उनके पट भाग में ग्रग्तरण करार पर एक साक्षी के समक्ष हस्ताक्षर किये जारे चाहियें।
 - (2) प्रत्येक ऋण श्रीर थपेक्षित नये ऋण की प्रस्थेक प्रकार की प्रतिभूति (स्टाक प्रमाणपत्र सा बचन पत्र) के लिये श्रलग-श्रलग श्रावेदन किया जाये।
 - (3) यदि आवेदक का हस्ताक्षर अंगुठे के निणान के रूप में हो तो दो व्यक्ति उसके माक्षी हो । साक्षियों के हस्ताक्षरों के नीचे उनके पूरे नाम, व्यवसाय और पने दिये जायें।
 - (4) यदि प्रावेदन किसी पंजीकृत निकाय के नाम में किया जायें तो निवेश प्रावेदन पत्र के माथ निम्नलिखित दस्तावेज, यदि वे लांक ऋण कार्यालय में पहले ही पंजीकृत न किये गये हो ता, मंलग्न किये जायें।
 - (i) निगमन/पंजीकरण के मुल प्रमाणपत्र या कार्यालय के मुद्राक के प्रधीन जारी करने वाले प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित उसकी प्रतिलिपि
 - (ii) कंपनी√निकाय के क्रापन पत्त स्त्रीर ग्रन्तिनयम या नियमों श्रीर विनियमों/उपनियमो की प्रमाणित प्रतिक्षिपियां ।
 - (iii) कंपनी/निकाय की ओर से सरकारी प्रतिभृतियों का लेनदेन करने के लिये प्राधिकृत व्यक्तियों के पक्ष में किये गये संकल्प की प्रमाणित प्रतिलिपि, उसके/उसके विधिवत सल्यापित नमुना हस्ताक्षर/हम्लाक्षरों के साथ ।
 - (5) जो ग्रावेदक स्टाक प्रमाणपत्नों के रूप में प्रतिभृतिया प्राप्त करना चाहते हैं, उन्हें छमाष्ट्री ब्याज के प्रेपण के लिये (लोक ऋण कार्यालय में उपलब्ध) प्रादेश फार्प भी भरना चाहिये ।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affalis)

NOTIFICATION

New Delhi, the 14th July, 1982

No.P.4(5)-W& M/82.—Subscriptions for the issues of 6.25 per cent Loan, 1986, 7.25 per cent Loan, 1992 (Second Issue) and 9.00 per cent Loan, 2013 (Second Issue) for an aggregate amount of Rs. 550 crores will be received in the form of cash or of securities of Government of India 5 per cent Loan, 1982 and 5½ per cent Loan, 1982 on the 26th July 1982 upto the close of Banking hours. In the event of 26th July 1982 being declared a holiday by any State Government under the Negotiable Instruments Act, 1881, the subscriptions will be received at the concerned receiving offices in that State upto the close of Banking hours on the next working day. Government reserve the right to retain subscriptions received upto 10 per cent in excess of the sum of Rs. 550 crores.

- 2. If the total subscriptions to the aforesaid loans exceed the sum of Rs. 605 crores, partial allotment will be made to the subscribers in cash on a proportionate basis. If partial allotment is made, the excess subscriptions will be refunded as soon as possible after partial allotment. No interest will be paid on the amounts so refunded.
- 3. 6.25 per cent Loan, 1986 issued at Rs. 100.00 per cent and redeemable at par on the 26th July 1986.
- (i) Date of Repayment, -The Loan will be repaid at par on the 26th July 1986.
- (ii) Issue Price.—The issue price will be Rs. 100.00 for every Rs. 100.00 (Nominal) of the Loan applied for.
- (iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 6.25 per cent per annum from 26th July 1982. Interest will be paid half-yearly on the 26th January and 26th July. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 9 and 10 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.
- 4, 7,25 per cent. Loan, 1992 (Second Issue) issued at Rs 100 00 per cent, and redeemable at par on the 24th May 1992
- (i) Date of Repayment.—The Loan will be repaid at par on the 24th May 1992.
- (ii) Issue Price.—The issue price will be Rs.100.00 for every Rs.100.00 (Nominal) of the Loan applied for.
- (iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 7.25 per cent, per annum from 26th July 1982. Interest for the period 26th July 1982 to 23rd November 1982(inclusive) will be paid on 24th November 1982 and thereafter interest will be paid half-yearly on 24th May and 24th November. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 9 and 10 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.
- 5, 9,00 per cent. Lcan, 2013 (Second Issue) issued at Rs. 100,00 per cent. and redeemable at par on the 24th May 2013.
- (i) Date of Repayment. -The Loan will be repaid at par on the 24th May 2013.
- (ii) Issue Price.—The issue price will be Rs. 100.00 for every Rs. 100.00 (Nominal) of the Loan applied for,
- (iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 9.00 per cent, per annum from 26th July 1982, Interest for the period 26th July to 23rd November 1982 (inclusive) will be paid on 24th November 1982 and thereafter interest will

be paid half-yearly on 24th May and 24th November. The interest paid will, subject to the provisions of parag aphs 9 and 10 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

CONVERSION TERMS

6. The securities of 5 per cent. Loan, 1982 and $5\frac{1}{2}$ per cent. Loan, 1982 will be accepted for conversion tinto the new Loans at par.

Interest on the securities of 5 per cent. Loan, 1982 tendered for conversion will paid at the rate of 5 per cent, per annum upto and inclusive of 14th July 1982. In addition, anticipatory interest will be paid according to the rate of interest of the new Loan applied for, i.e. 6.25 per cent, 7.25 per cent, or 9.00 per cent per annum, as the case may be, for eleven (11) days i.e. from 15th to 25th July 1982 at the time of issue of new securities.

SUPPLEMENTARY PROVISIONS

- 7. Applications will be received at. -
- (a) Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bombay (Fort and Byculla), Calcutta, Gauhati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras Nagpur, New Delhi and Patna; and
- (b) Branches of the State Bank of India at all places in India except at (a) above
- 8. Place of Payment of Interest.—Inte est on the Loans will be paid at the Public Debt Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad Bangalore Bombay, Calcutta, Gauhati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi and Patra and at any Treasury or Sub-Treasury elsewhere in India except the States of Jammu and Kashmir and Sikkim.
- 9. Refunds of tax deducted at the time of payment of interest (at the rates prescribed by the Annual Finance Acts) will be obtainable by holders of the Loan who are not liable to tax or who are liable to tax at rates lower than the rate at which tax was deducted.

A holder who is not liable to tax o who is liable to tax at a rate lower than the prescribed rate, can obtain, on application, a certificate from the Incomotax Officer of the district, authorising payment of interest to him without deduction of tax or with deduction of tax at such lower rate as may be applicable to the holder.

An individual resident in India whose total income does not exceed the exemption limit can obtain, on furnishing a declaration in the prescribed form in duplicate to the person responsible for paying the interest, the amount of interest without deduction of fax.

- 10. Interest on the loans now issued together with interest on other previous Government securities and income from other approved investments will be exempt from Income-tax subject to a limit of Rs, 6000 per annum and subject to the other provisions of Section 80L of the Income-tax Act, 1961.
- 11 The value of investments in the loans now issued together with the value of other previous investments in Government securities and the other investments specified in Section 5 of the Wealth-tax Act will also be exempt from the Wealth tax upto Rs 1 65,000
 - 12 The securities will be issued in the form of-
 - (i) Stock Certificates; or
 - (ii) Promissory Notes

If no preference is stated by the applicants, the securities will be issued in the form of Promissory Notes.

- 13. Applications for the Loans, "Applications for the Joans must be for Rs.100 or a multiple of that sum.
- 14. Applications may be in the form attached hereto or in any other form which states clearly the amount and description of the securities required, the full name and address of the applicant and the office at which he desires the interest to be paid.
- 15. Applications should be accompanied by the necessary payment in the form of cash or cheque or securities of 5 per cent. Loan, 1982 or 5-½ per cent. Loan, 1982 which is being offered for conversion. Cheques tendered at the office of the Reserve Bank of India or the State Bank of India should be drawn in favour of the bank concerned. The securities tendered

for conversion must be transferred by the holder to the Government—(1) in the case of Stock Certificates by signing the form of transfer deed on the reverse of the certificate before a witness.
(ii) in the case of Promissory Notes, by endorsing them in the manner indicated below:

Pay to the President of India

10. Brokerage will be paid at the rate of 6 paise per Rs. 100 00 (Nomical) to recognised banks and brokers on allot-ments made in respect of applications for the loans tendered by them and bearing their stamp.

The claim for payment of brokerage should be prefetred at the encerned offices within six months from the date of floatation of the Loans.

By order of the President, A.C.TIWARI, Joint Secy.

I/We*	[Full Name(s) in Block Let	he-ewith
Rs	(Rupees) /*Securities of
tender *cash cheque for		
5 per cent. Loans, 1982/, *5½ per cent. I request that securities of 6,25 per cent. I	Loan, 1986*/7. 25 per cent. Loan, 1992	(Rs) and (Second Issue)*/0.00 per cent. Loan, 2013 (secondmay be issued to me/us* in the form of
	in the denomoration(s) Stated below:	
	Promissory Note(s) 4-of I	Rscach.
	Promissory Note(s) + of	Rseach.
	Promissory Note(s)+of	Rseach.
2. I/We* desire that interest be pa	id at	.,,,,,,,,
N.B.—The applicant shoud not write will be filled in by the Receiving	anything in this cage. The entries g Office.	
	Iritials Date	
Application No.	,.,.	Signature(s)
N.B. Stamp	.,,	Name(s) in full(Block Letters)
Cash Received on	.,	(Block Letters)
Cheque realised on	***************************************	
Creditea to Special Current Account on	1	,
examined		Address
Cash applications Register posted		
Brokerage Register Posted	,,,,,,,,,,	
Indent No.	************	
Script No.		
Card No.		Dated theof July 1982
Voucher passed on		

FORM OF APPLICATION

^{*} Delete what is not required.

⁺Promissory Notes will be issued in denominations of Rs. 100, Rs. 200, Rs. 5000, Rs. 1,000, Rs. 10,000, Rs. 25,000, Rs. 50.000 and Rs. 1,00,000. State here the particular denomination(s) required.

Notes:—(1) Securities tendered for conversion should be endorsed with the words 'Pay to the President of India' over the signature of the applicant(s) if they are in the form of Promissory Notes and the transfer deed on the reverse should be signed by him/them before a witness, if they are in the form of Stock Certificates.

- (2) Separate applications should be made for each Loan, each form of subscription and each form of script (Stock Certificate or Promissory Note) of the New Loan required.
- (3) If the applicant's signature is by thumb mark, it should be witessed by two persons. The full names, occupations and addresses of the witnesses should be appended to their signatures.
- (4) If the application is made in the name of the registered body, the undernoted documents, if not already registered at the Public Debt Office, should be enclosed with the investment application:——
 - (i) Certificate of Incorporation/Registration in original or a copy there of certified as true by the issuing authority under his office seal.
 - (ii) Certified copies of Memorandum and Articles of Association or the Rules and Regulations/By-Laws of the comp_any/body.
 - (iii) Certified copy of resolution in favour of the person(s) authorised to deal in Government securities on behalf of the company/body together with his/their duly attested specimen signature (s).
- (5) Applicants desiring the issue of script in the form of Stock Certificates should also complete a Mandate Form (obtainable from Public Debt Office) for remittance of half-yearly interest to them.